कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण

छात्र गाइड

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 1 10/14/2013 10:47:20 PM

कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण
छात्र गाइड

द्वारा: डानिएल बी लंकास्टर, पी.एच.डी

टी4टी प्रेस द्वारा प्रकाशित

पहली छपाई: 2013

लेखक से लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी हिस्से को (संक्षेप कोटेशन को छोड़कर) दोबारा बनाया और किसी भी रूप या किसी भी माध्यम से चाहे इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या किसी भी तरह का जानकारी भरने वाले और पुनर्प्राप्ति व्यवस्था से संक्रामित नहीं किया जा सकता।

डैनयिल बी लंकास्टर द्वारा कॉपीराइट 2013

आई.एस.बी.एन 978-0-9831387-0-9 मुद्रित

सभी शास्त्र कोटेशन अन्यथा सूचित, पवित्र बाइबिल में से ली गइ है,

नई अंतर्राष्ट्रीय संस्करणः, एनआईवी ® अंतर्राष्ट्रीय बाइबिल सोसायटी द्वारा कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984

इसका इस्तेमाल जोनडरवैन की अनुमति से किया गया है। सभी अधिकार सुरक्षित।

(NLT) से चिह्नित शास्त्र कोटेशन पवित्र बाइबल, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन कॉपीराइट © 1996, 2004। से ली गई है।

इसका इस्तेमाल टिनडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक, वीटन, इलिनोइस, 60,189 की अनुमति से किया गया है। सभी अधिकार सुरक्षित।

(NASB) से चिह्नित शास्त्र कोटेशन न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल लौकमैन फाउंडेशन द्वारा कॉपीराइट©1960, 1962, 1963, 1968, 1971, 1972, 1973, 1975, 1977, 1995। सभी अधिकार सुरक्षित।

(HCSB) से चिह्नित शास्त्र कोटेशन होलमैन क्रिसिचीयन स्टैनडरड बाइबल, होलमैन बाइबल पब्लिशर्स द्वारा कॉपीराइट©1999, 2000, 2002, 2003 । सभी अधिकार सुरक्षित।

अनुमति के द्वारा प्रयुक्त।

कांग्रेस के पुस्तकालय कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन

वषिय सूची

प्रशक्षिण

स्वागतम..... 5
यीशु की तरह प्रशक्षिण करें..... 11
यीशु की तरह नर्दिेशन करें..... 16
शक्तशिाली बनना 22
एकता में बल..... 26
ईसा-चरति वतिरण..... 34
अनुयायी बनाएं..... 42
समूह प्रारंभ करें..... 49
समूह वृद्धि करें..... 57
यीशु का पालन करें..... 64

संदर्भ

लीडरों का प्रशक्षिण..... 72
सद्धिांतों का प्रशक्षिण 76
आगे का अध्ययन..... 79

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 4 10/14/2013 10:47:20 PM

१

स्वागतम

प्रशक्षिकों और लीडरों पहले सबक में एक दूसरे को परचिय देते हैं। लीडर फरि यूनानी पद्धतऔर हब्रिू पद्धत द्वारा प्रशक्षिण की वधियिों के बीच के अंतर को समझते हैं। यीशु ने भी दोनों वधियिों का इस्तेमाल कयिा था और हमें भी इनका इस्तेमाल करना चाहएि। हब्रिू वधि प्रशक्षिको के लएि बहुत उपयोगी है और कट्टरपंथी प्रशक्षिको द्वारा अधकितर यही वधि इस्तेमाल की जाती है।

लक्ष्य पाठ लीडरों के लएि है ताक वह यीशु की दुनयिा तक पहुचने की रणनीत को समझ सकें । यीशु की रणनीत के पांच भाग है: भगवान में वश्विास, ईसा चरति का प्रचार, शष्यि बनाना, चर्च बनाने के लएि समूह बनाये और लोगों को लीडर बनने का प्रशक्षिण दे ।लीडर "*यीशु का पालन - प्रशक्षिण"(फोलो जीसस ट्रेनगि सीरज़ि), भाग 1: कट्टरपंथी चेले बनाना:* के पाठ की समीक्षा करें, जो वश्विासयिों को यीशु की ‹रणनीत के प्रत्येक भाग में सफल होने में मदद करता है।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 5 10/14/2013 10:47:20 PM

लीडर-लोग ये अभ्यास भी करते है की वह दूसरो के लिए भी यीशु की रणनीति का अनुसरण की दृष्टी विकसित कर सके। यीशु का पालन - प्रशिक्षण और उनकी आज्ञा का पालन प्रतिदिन करने के साथ ही यह सत्र ख़त्म होता है ।

प्रशंषा

प्रारंभ

प्रशिक्षको का परिचय

लीडरों का परिचय

कैसे यीशु लीडरों को प्रशिक्षण देते है?

योजना

चर्च कौन बनाता है?

-मैथ्यू 16:18-

मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम पेत्रुस अर्थात् चट्टान हो और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक इसके सामने टिक नहीं पायेंगे। (NLT)

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 6 10/14/2013 10:47:20 PM

यह महत्वपूर्ण क्यों है की चर्च कौन बनाता है?

- सैम 127:1-

जब तक प्रभु घर नहीं बनाते है, तब तक घर के निर्माताओं का परिश्रम व्यर्थ है, जब तक प्रभु खुद शहर पर नज़र नहीं रखते तब तक चौकीदार का सचेत रहना व्यर्थ है ।(HCSB)

यीशु ने अपने चर्च कैसे बनाया?

1. _____

- ल्यूक 2:52-

ईसा की बुद्धि और शरीर का विकास होता गया। वह ईश्वर तथा मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ते गये।(CEV)

-ल्यूक 4:14-

आत्मा के सामर्थ्य से सम्पन्न हो कर ईसा गलीलिया लौटे और उनकी ख्याति सारे प्रदेश में फैल गयी। (NASB)

भगवान में अटल विश्वास रखो
एक दुसरे का हाथ पकड़ें और एक मजबूत आदमी की मुद्रा बनाएँ ।

2. _____

-मार्क १: १४,१५

योहन के गिरफ्तार हो जाने के बाद ईसा गलीलिया आये और यह कहते हुए ईश्वर के सुसमाचार का प्रचार करते रहे। ''समय पूरा हो चुका है। ईश्वर का राज्य निकट आ गया है। पश्चाताप करो और सुसमाचार में विश्वास करो।'' (NLT)

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 7 10/14/2013 10:47:20 PM

- *ईसा चरति का प्रचार अपने दहनि हाथ के साथ एक बीज फ़ैलाने जैसी आवाजाही करे ।*

3. _____

-मैथ्यू 4:19-

"यीशु ने कहा, "आओ, मेरा अनुसरण करो,"और मैं आपको इंसानी जगत का मछुआरा बना दूंगा।"

- शष्यि बनाओ
  हृदय से हाथ उठाकर प्रारथना करो । कमर पर हाथ, कलासकि मुद्रा में प्रारथना के लएि उठाओ । मस्तषि्क की तरफ हाथ करके, इस तरफ झुकाओ जैसे आप एक कीताब पढ़ रहे हैं। एक मजबूत आदमी की मुद्रा बनाकर हाथ उठाये और इस तरह हलिाए जैसे के बीज बोने के लएि फैला रहा हो।

4. _____

- मैथ्यू 16:18-

मैं तुम से कहता हूँ कि तुम पेतरुस अरथात् चट्टान हो और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसयिा बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक इसके सामने टकि नहीं पायेंगे।

- समूहों और चर्चों को प्रारंभ करो हाथों से इकठ्ठा होने के जैसे हलिाए, जैसे की आप लोग से पूछ रहे हैं की वे आप के चारों ओर इकट्ठा हो जाये ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 8 10/14/2013 10:47:21 PM

5. ____

-मैथ्यू 10:5-8
ईसा ने इन बारहों को यह अनुदेश दे कर भेजा, ''अन्य राष्ट्रों के यहाँ मत जाओ और समारियों के नगरों में प्रवेश मत करो, बल्कि इस्राएल के घराने की खोयी हुई भेड़ों के साथ जाओ। राह चलते यह उपदेश दिया करो- स्वर्ग का राज्य निकिट आ गया है। रोगियों को ठीक करो, मुरदों को जिलाऔ, कोढ़ियों को शुद्ध करो, नरकदूतों को निकालो। तुम्हें मुक्त में मिला है, मुक्त में दे दो।

लीडर-लोग विकसित करें
सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाये और एक सैनिक की तरह सलामी दें ।

स्मृति छंद

-कोरिन्थिसि11:1-
आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ। (NAS)

अभ्यास

समाप्ति

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 9 10/14/2013 10:47:21 PM

यीशु कहते हैं, “मेरा अनुसरण करो “

-मैथ्यू 9:9-

ईसा वहाँ से आगे बढ़े। उन्होंने मत्ती नामक व्यक्ति को चुंगी-घर में बैठा हुआ देखा और उस से कहा, "मेरे पीछे चले आओ", और वह उठकर उनके पीछे हो लिया।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 10 10/14/2013 10:47:21 PM

२

यीशु की तरह प्रशिक्षण करें

चर्चों या समूहों की बढ़ोतरी में सबसे आम समस्या हैं, अधिक से अधिक लीडरों की जरूरत। लीडरों के प्रशिक्षण के प्रयासों में अक्सर कमी हो जाती क्योंकि हमारे पास एक सरल प्रक्रिया नहीं हैं जिसका साधारण तरीके से पालन किया जा सके । इस पाठ का लक्ष्य सिर्फ ये समझना हैं की यीशु कैसे लीडरों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि हम उनकी नकल कर सकें।

यीशु ने लीडरों से उन्हें उनके मिशन की प्रगति के बारे में सवाल पूछा करते थे और इसी दौरान किसी भी समस्या का जिसका लीडरों को सामना करना पड़ा, इन सबके बारे में विचार-विमर्श करके, उनका प्रशिक्षण किया। उन्होंने उनके लिए

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 11 10/14/2013 10:47:21 PM

प्रार्थना की और उन्हें उनके आगे के मिशन के लिए योजना बनाने में मदद भी की । उनके प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि भविष्य के मंत्रालयों में जिन गुणों की आवश्यकता होगी उसका अभ्यास करना । पाठ 2 में, सारे लीडर-लोग यीशु की दुनिया तक पहुँचने की रणनीति और नेतृत्व प्रशिक्षण प्रक्रिया को अपने-अपने समूहों पर लागू करते हैं । अंत में, लीडर-लोग एक "प्रशिक्षण वृक्ष" विकसित कर लेते हैं जो उनको प्रशिक्षण और लीडर-लोग जिन्हें वे प्रशिक्षण दे रहें हैं उनकी प्रार्थना में समन्वय स्थापित करने में मदद करत है ।

प्रशंसा

प्रगति

समस्या

योजना

समीक्षा

स्वागतम

चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 12 10/14/2013 10:47:21 PM

- कोरिन्थियों 11:1 -आप लोग मेरा अनुसरण करें, जैसे तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

कैसे यीशु ने लीडरों को प्रशिक्षित किया?

-लूका 10:17 -
"बहत्तर शिष्य सानन्द लौटे और बोले, "प्रभु! आपके नाम के कारण अपदूत(राक्षस) भी हमारे अधीन होते हैं"।

1. _____

प्रगतिक
दूसरे के ऊपर से हाथ को घुमाते हुए ऊपर की तरफ ले जाएँ ।

-मैथ्यू 17:19-
बाद में शिष्यों ने एकान्त में ईसा के पास आ कर पूछा, "हम लोग उसे क्यों नहीं निकाल सके?

2. _____

समस्या
अपने सिर के दोनों तरफ अपने हाथो को ले जाये और इस तरह नाटक करें जसे की बालों को खींच रहे हो ।

-लूका 10:1-
इसके बाद प्रभु ने अन्य बहत्तर शिष्य नियुक्त किये और जिस-जिस नगर और गाँव में वे स्वयं जाने वाले थे, वहाँ दो-दो करके उन्हें अपने आगे भेजा।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 13 10/14/2013 10:47:21 PM

3. _____

योजनाएंअपने बाएं हाथ को पेपर की तरह बाहर निकालें और दहिने हाथ से उस पर लखिें ।

-जॉन 4:1-2-

फरीसयिों को यह सूचना मलिी कि ईसा योहन की अपेक्षा अधकि शष्यि बनाते और बपतस्मिा देते हैं। यद्यपि ईसा स्वयं नहीं, बल्कि उनके शष्यि बपतस्मिा देते थे। जब ईसा को इसका पता चला,

4. _____

अभ्यासहाथो को ऊपर और नीचे की तरफ ले जाएँ जैसे की आप वजन उठा रहे हो ।

-ल्यूक 22:31-32-

"समिोन! समिोन! शैतान को तुम लोगों को गेहूँ की तरह फटकने की अनुमति मिली है। परन्तु मैंने तुम्हारे लिए प्रार्थना की है, जसिसे तुम्हारा वशि्वास नष्ट न हो। जब तुम फरि सही रास्ते पर आ जाओगे, तो अपने भाइयों को भी सँभालोगे।"

5. _____

प्रार्थनापारम्परकि ढंग से "प्रार्थना के लिए हाथ" अपने चेहरे को करीब रखने की मुद्रा बनाये ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 14 10/14/2013 10:47:21 PM

स्मृति छंद

-लूका 6:40-
*शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।***Cross references:**

अभ्यास समाप्त

प्रशिक्षण वृक्ष

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 15 10/14/2013 10:47:21 PM

3

यीशु की तरह नेतृत्व करें

यीशु हर दौर के सबसे बड़े लीडर रहें हैं। किसी भी व्यक्ति ने इतने लोगों को प्रभावित नहीं किया जितने लोगो को यीशु ने प्रभावित किया है। यीशु नेतृत्व शैली पर आधारित एक महान लीडर के सात गुणों को पाठ 3 में बताया गया हैं । लीडरों ने फिर अपने नेतृत्व अनुभवों की शक्तियों और कमजोरियों का प्रतिबिंबित दिखाया। यह टीम-निर्माण खेल "सहभाजी नेतृत्व" की शक्ति के शिक्षण के साथ समापन होता हैं ।

लीडरों के हृदय में ऊपर नीचे हलचल होती हैं इसलिए हमने यह जानते का प्रयास किया कि कैसे यीशु ने शिष्यों का नेतृत्व किया ताकि हम उनकी नकल कर सकें । यीशु ने उन्हें आखिर तक प्रेम किया, उनके मिशन को समझा, समूह की समस्याओं को जाना, उनके अनुयायियों को पालन करने का उदाहरण दिया, दया के साथ सामना किया और वह ये जानते थे कि भगवान

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 16 10/14/2013 10:47:21 PM

उनकी आज्ञाकारिता के लिए आशीर्वाद दे रहा है । सब कुछ हमारे दलि से बहता है । इसलिए, हमारे दलि का रवैया हैं, की हम लीडर की तरह शुरुआत करें ।

प्रशंसा

प्रगति

समस्या

योजना

समीक्षा

स्वागतम

चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?
- कोरन्थिसि 11।1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशक्षिण दें

कैसे यीशु ने लीडरों को प्रशक्षिण दयिा?

- *ल्यूक 6:40-शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शक्षिा प्राप्त करने*

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 17 10/14/2013 10:47:21 PM

के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।

यीशु महानतम लीडर कसै कहते हैं?

-मैथ्यू 20:25-28-

"ईसा ने अपने शष्यिों को अपने पास बुला कर कहा, ‹›तुम जानते हो कि संसार के अधपति अपनी प्रजा पर नरिकुश शासन करते हैं और सत्ताधारी लोगों पर अधकिार जताते हैं। तुम में ऐसी बात नहीं होगी। जो तुम लोगों में बडा होना चाहता हैं, वह तुम्हारा सेवक बने और जो तुम में प्रधान होना चाहता हैं, वह तुम्हारा दास बने; क्योंकि मानव पुत्र भी अपनी सेवा कराने नहीं, बल्कि सेवा करने तथा बहुतों के उद्धार के लिए अपने प्राण देने आया हैं।››

- सैनकि के जैसे सलामी दो, फरि दोनों हाथो को जोड़ो और फरि एक सेवक की तरह झुको ।

एक महान लीडर के सात गुण क्या होते हैं?

-जॉन 13:1-17-

पास्का पर्व का पूर्व दनि था। ईसा जानते थे कि मेरी घडी आ गयी हैं और मुझे यह संसार छोडकर पति के पास जाना हैं। वे अपनों को, जो इस संसार में थे, प्यार करते आये थे और अब अपने प्रेम का सब से बडा प्रमाण देने वाले थे।

२ शैतान व्यारी के समय तक समिोन इसकारयिोती के पुत्र यूदस के मन में ईसा को पकडवाने का वचिार उत्पन्न कर चुका था।

३ ईसा जानते थे कि पति ने मेरे हाथों में सब कुछ दे दयिा हैं, मैं ईश्वर के यहाँ से आया हूँ और ईश्वर के पास जा रहा हूँ। ४ उन्होनें

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 18 10/14/2013 10:47:21 PM

भोजन पर से उठकर अपने कपडे उतारे और कमर में अंगोछा बाँध लयिा।

५ तब वे परात में पानी भरकर अपने शष्यिों के पैर धोने और कमर में बँधें अँगोछे से उन्हें पोछने लगे।

६ जब वे सम्योन पेत्रुस के पास पहुचे तो पेत्रुस ने उन से कहा, ‹›प्रभु! आप मेंरे पैर धोते हैं?››

७ ईसा ने उत्तर दयिा, ‹›तुम अभी नहीं समझते कि मैं क्या कर रहा हूँ। बाद में समझोगे।››

८ पेत्रुस ने कहा, ‹›मैं आप को अपने पैर कभी नहीं धोने दूगा››। ईसा ने उस से कहा, ‹›यदि मैं तुम्हारे पैर नहीं धोऊँगा, तो तुम्हारा मेरे साथ कोई सम्बन्ध नहीं रह जायेगा।

९ इस पर सम्योन पेत्रुस ने उन से कहा, ‹›प्रभु! तो मेरे पैर ही नहीं, मेरे हाथ और सरि भी धोइए››।

१० ईसा ने उत्तर दयिा, ‹›जो स्नान कर चुका हैं, उसे पैर के सविा और कुछ धोने की जरूरत नहीं। वह पूर्ण रूप से शुद्व हैं। तुम लोग शुद्ध हो, कन्तिु सब के सब नहीं।››

११ वे जानते थे कि कौन मेरे साथ वशि्वास घात करेगा। इसलयि उन्होने कहा- तुम सब के सब शुद्ध नहीं हो।

१२ उनके पैर धोने के बाद वे अपने कपडे पहनकर फरि बैठ गये और उन से बोले, ‹›क्या तुम लोग समझते हो कि मैंने तुम्हारे साथ क्या कयिा हैं?

१३ तुम मुझे गुरु और प्रभु कहते हो और ठीक ही कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ।

१४ इसलयि यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि।

१५ मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

१६ मैं तुम से यह कहता हूँ- सेवक अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता और न भेजा हुआ उस से, जसिने उसे भेजा।

१७ यदि तुम ये बातें समझकर उनके अनुसार आचरण करोगे, तो धन्य होंगे।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 19 10/14/2013 10:47:21 PM

1. ________________________________

☝ लोगों से प्रेम
करोछाती को हाथ से थपथपाओ।

2. ________________________________

☝ अपने मशिन को जानोसलामी
दो जैसे की तुम एक सैनकि हो और
“हाँ” कहते हुए सरि को हलिाओ।

3. ________________________________

☝ उनके अनुयायियों की सेवा
करोपारंपरकि प्रार्थना करने की
तरह हाथो को जोड़ कर झुको ।

4. ________________________________

☝ करूणा के साथ
ठीक करेंदोनों हाथो की तर्जनी और
अंगूठे को मलिा कर हृदय का चनि्ह
बनाये।

5. ________________________________

☝ समूहों की समस्याएंअपने
हाथो को अपने सरि के दोनों तरफ
रखयि, जैसे की आपको सरिदर्द हैं।

6. ________________________________

☝ अच्छा उदाहरण
दीजयिस्वर्ग की तरफ इशारा करते
हुए,”हाँ “की लएि हाथ हलिाएं।

7. _____

वह धन्य हैं
प्रसंशा करते हुए, स्वर्ग की तरफ
हाथो को उठाओ ।

स्मृति छंद

-जॉन 13:14-15-

इसलयि यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

अभ्यास

"अपने छोटे समूह में, एक बेहतर लीडर बनने के लिए एक दूसरे की योजनायें और गुणों जनिका वें अगले 30 दनिों में अभ्यास करेंगे, उनके लिए प्रार्थना करने में समय व्यतीत करें।"

समाप्त

छीनलोन

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 21 10/14/2013 10:47:21 PM

४

शक्तिशाली बनना

जिन लीडरों को तुम सीखा रहे हो वे लीडरों का समूह है और सीखना कैसे दूसरों की मांग हो सकती है। लीडरों को उनके समूह के बहार से महत्वपूर्ण आध्यात्मिक युद्ध का सामना करना पड़ता हैं और समूह के भीतर व्यक्तित्व मतभेद का । अलग-अलग व्यक्तित्व प्रकार की पहचान करना और प्रभावी रूप से उन लोगों के साथ एक समूह में काम करना - एक प्रभावी नेतृत्व की कुंजी है । "शक्तिशाली बनना" लीडरों को सबक देता हैं कि कैसे सरल तरीके से लोगों को व्यक्तित्व खोजने में मदद करें । जब हम समझते हैं की कैसे भगवन ने हमे बनाया है, हमारे पास मजबूत सुराग है कि कैसे हम उनमें शक्तिशाली बन सकते हैं।

व्यक्तित्व के आठ प्रकार हैं: सैनिक, साधक, चरवाहा, बोनेवाला, बेटा/बेटी, संत, सेवक, और प्रबंधक। लीडरों की मदद

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 22 10/14/2013 10:47:21 PM

करने के बाद उनके प्रकार की खोज करें, प्रशिक्षक शक्तियों और प्रत्येक प्रकार की कमजोरियों पर चर्चा करते हैं। कई लोगों को लगता है भगवान सांस्कृतिक मूल्यों से अधिक व्यक्तित्व प्रकार से प्यार करते हैं । अन्य लीडरों का मानना है कि नेतृत्व क्षमता व्यक्तित्व पर निर्भर करती है। यह सीमित धारणाएँ सच नहीं हैं। यह सत्र इस बात पर जोर देकर समाप्त होता है कि लीडरों को लोगों से बर्ताव व्यक्तिगत रूप में करना चाहिए। नेतृत्व प्रशिक्षण व्यक्ति की जरूरत को संबोधित होना चाहिए।

प्रशंसा

प्रगति

समस्या

योजना

आलोचना

स्वागतमम

चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?

- कोरिन्थियों 11।1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 23 10/14/2013 10:47:21 PM

यीशु की तरह प्रशिक्षण करें

यीशु ने कैसे लीडर को प्रशिक्षित कराया?

> -लूकस 6:40- "शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।"

यीशु की तरह निर्देशन करें:

यीशु ने किसे महानतम लीडर कहा है?

एक महान लीडर के सात गुण कोनसे हैं?

> जॉन 13:14 -15 - "इसलिये यदि मैं-तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।"

भगवान् ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दिया है?

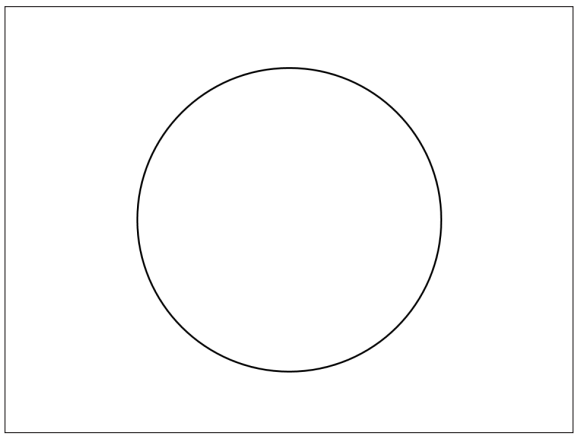

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 24 10/14/2013 10:47:21 PM

कौन सा व्यक्तित्व का प्रकार परमेश्वर को सबसे ज्यादा प्यार करता हैं?

कौन सा व्यक्तित्व प्रकार सर्वश्रेष्ठ लीडर बनाता है?

स्मृति छंद

-रोमनस 12:4-5-
जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता, उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

अभ्यास

समाप्ति

अमेरकिी चीज़बर्गर

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 25 10/14/2013 10:47:21 PM

७

एकता में बल

लीडर ने पछिले सबक में उनके व्यक्तित्व की खोज की। “मलि कर शक्तशिाली “ये बतलाता हैं की लीडर का व्यक्तित्व कसि प्रकार दुसरो से मेल खता हैं। इस संसार में लोगों में आठ तरह के व्यक्तित्व क्यों हैं? कुछ कहते हैं नोआ(noah) के संदूक में आठ लोग थे जब की कुछ कहते हैं की भगवन ने हर स्थान पर तरह तरह के व्यक्तित्व बनाये हैं उत्तर,उत्तर -पूर्व,पूर्व आदि । हम कारण आसानी से समझा सकते हैं ।संसार में आठ तरह के व्यक्तित्व हैं भगवन ने उन्हें अपनी कल्पनाओं में ऐसा बनाया हैं।बाईबल के अनुसार यदि आप जानना चाहते हैं की भगवन केसे दखिते हैं तो यीशु को देख लें।इस संसार में व्यक्तित्व के आठ प्रकार यीशु की आठ तस्वीरे हैं ।

यीशु सैनकि की तरह हैं - भगवन की सेना के सेना पति। वे खोजी की तरह हैं - खोए हुए को खोजने और बचाने वाले। वे चरवाहे की तरह हैं -अपने अनुयायी को भोजन पानी और आवास देने वाले।यीशु बीज बोने वाले की तरह भगवन की बाते हम में बोते हैं। वे उनके पुत्र हैं- भगवन उन्हें अपना प्रेमी कहते हैं

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 26 10/14/2013 10:47:21 PM

और हमें उनकी बाते सुनने को कहते हैं ।यीशु एक रक्षक हैं और हमें संत बनके उनको दर्शाने को प्रेरति करते हैं । वे एक सेवक हैं-मरते दम तक अपने पति की आज्ञा का पालन करने वाले ।अंत में यीशु एक खजानची हैं। जो की समय,संपथी और लोगों के प्रबंधक हैं।

हर लीडर की यह जम्मिेदारी होती हैं की वह लोगों की एक साथ काम करने में मदद करे । झगड़े अनविार्य रूपसे अलग व्यक्तत्विव के बीच होते हैं क्योंकि वे इस संसार को अलग -अलग रूप से देखते हैं । सब से आम दो तरीके से लोग झगड़ों से नपिटते हैं ।या तो लड़ते हैं या भाग जाते हैं।झगड़े से नपिटने का एक रास्ता हैं,जो की भगवन से प्रेरति हैं,जसिके अनुसार एक ऐसा हल खोजना जो की हर व्यक्तत्विव का सम्मान रखता हो ।ये सतर एक प्रतयिोगति के साथ समाप्त होता हैं जो की सत्य को एक हास्यकर रास्ते से दखिाता हैं ।यीशु के आठ चत्रि हमें ये समजाते हैं की दुसरो से कैसे प्यार कयि जाता हैं। यह यीशु के सभी अनुयाययिों का काम हैं।

प्रशंसा

प्रगति

परेशानी

योजना

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 27 10/14/2013 10:47:21 PM

समीक्षा

स्वागतम

चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?

- कोरन्थिसि 11:1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

येशु की तरह प्रशक्षिति करें

कैसे यीशु ने लीडरों को प्रशक्षिण दयिा?

- *ल्यूक 6:40-शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शक्षिा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।*

यीशु की तरह नर्दिेशन करें

येशु महानतम लीडर कसिको कहेंगे?
एक महान लीडर की सात वशिेषताएं क्या हैं?

- *जॉन* 13:14-15-अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

शक्तशिाली बनना

भगवन ने तुम्हें कैसा व्यक्तत्वि दयिा हैं?
भगवन को कसि प्रकार का व्यक्तत्वि अच्छा लगता हैं?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 28 10/14/2013 10:47:21 PM

कसि प्रकार का व्यक्तत्वि महानतम लीडर बनता हैं?

- *रोमनस* 12:4-5- जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता, उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

इस संसार में आठ तरह के लोग क्यों हैं?

-उत्पत्ति 1:26 -
तब भगवान ने कहा, हमें इंसान को हमारी छवि में, हमारी पसंद का बनाना हैं ।

-कुलुस्सयिों 1:15 -
येशु अदृश्य ईश्वर के प्रतरिूप तथा समस्त सृष्टि के पहलौठे हैं ।

____

येशु कसिकी तरह हैं?

1. ______________________________

-- मैथ्यू 26:53 -
क्या तुम यह समझते हो कि मैं अपने पिता से सहायता नहीं माँग सकता? तब क्या वह अभी मेरे लिए स्वर्गदूतों की बारह से भी अधिक सेनाए नहीं भेज देगा? (HCSB)

सैनकि
तलवार उठाओ ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 29 10/14/2013 10:47:21 PM

2. ______________________________

- *ल्यूक* 19:10 -
जो खो गया था, मानव पुत्र उसी को खोजने और बचाने आया हैं। (NAS)

☟ *खोजी*
आपने हाथ को आँखों के ऊपर रख कर इधर-उधर देखें (जैसे आप किसी को ढूंढ़ रहे हों) ।

3. ______________________________

-*जॉन* 10:11 -
भला गड़ेरिया मैं हूँ। भला गड़ेरिया अपनी भेड़ों के लिए अपने प्राण दे देता हैं।

☟ चरवाहा
अपनी बाहों को शारीर कि ओर इस तरह लेकर जाएँ जैसे लोगों को इकठ्ठा कर रहे हों ।

4. ______________________________

-*मैथीयू* 13:37 -
ईसा ने उन्हें उत्तर दिया, अच्छा बीज बोने बाला मानव पुत्र हैं । (NAS)

☟ बोनेवाला
अपने हाथों से बीज बोएँ ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 30 10/14/2013 10:47:21 PM

5. _____

- *ल्यूक* 9:35 -
बादल में से यह वाणी सुनाई पड़ी, यह मेरा परमप्रयि पुत्र हैं। इसकी सुनो।

पुत्र
हाथ मूँह की ओर लेकर जायें जैस कि आप खा रहे हों ।

6. _____

-मार्क *8:31* -
उस समय से ईसा अपने शष्यिों को स्पष्ट शब्दों में यह समझाने लगे कि मानव पुत्र को बहुत दुःख उठाना होगा; लीडरों, महायाजकों और शास्त्रयिों द्वारा ठुकराया जाना, मार डाला जाना और तीन दनि के बाद जी उठना होगा।

रक्षक/संत
प्रार्थना करते हुए हाथ कुलासकि प्रार्थना वाली मुद्रा बनाएँ।

7. _____

-*जॉन* 13:14-15 -
अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

सेवक
हथोड़ा घुमाओ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 31 10/14/2013 10:47:22 PM

8. _____

- *लूका* 6:38 -
दो और तुम्हें भी दिया जायेगा। दबा-दबा कर, हिला-हिला कर भरी हुई, ऊपर उठी हुई, पूरी-की-पूरी नाप तुम्हारी गोद में डाली जायेगी; क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिए भी नापा जायेगा।

- प्रबंधक
अपने कमीज़ की जेब या बटुए से रूपये निकालें।

झगड़े के समय हमारे पास कौनसे तीन विकल्प हैं?

1. _____

- मुट्ठियों को एक साथ रखो । उनको एक दूसरे से दूर ले जायें और अपनी पीठ के पीछे कर लें ।

2. _____

- मुट्ठियों को एक साथ रखो और उनको एक साथ मारो ।

3. _____

- *मुट्ठियों को एक साथ रखो, मुट्ठियों को खोले और उंगलियों को एक दूसरे में फसा लें, हाथ मलिाएं जैसे की वे एक साथ काम कर रहे हो।*

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 32 10/14/2013 10:47:22 PM

स्मृति पद्य

- गलातियिन्स 2:20-
मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत हैं-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया। (NAS)

अभ्यास

नाटक प्रतियोगिता

एक आम सवाल

येशु की 8 तस्वीरों और आध्यात्मिक उपहारों में क्या अंतर है?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 33 10/14/2013 10:47:22 PM

६

ईसा-चरति वतिरण

जब तक लोग ईसा-चरति के बारे में सुनेंगे नहीं तब तक उस पर वशि्वास कैसे करेंगे? दुर्भाग्य से, यीशु के अनुयायी हमेशा ईसा-चरति नहीं बांटते ताकि लोग उनपर वशि्वास कर सकें। इसका एक कारण यह हैं कि उन्होंने ईसा-चरति बंटना कभी सीखा ही नहीं, वहीँ दूसरा कारण यह हैं कि वे अपने दैनकि दनिचर्या में व्यस्त हो जाते हैं और ईसा-चरति बांटना भूल जाते हैं। "ईसा-चरति वतिरण" के इस अध्याय में लीडर को एक "ईसा-चरति कंगन" बनाना सीखाया जाएगा ताकि वो उसे अपने दोस्तों और परविार के साथ बाँट सकें। यह कंगन हमें दूसरों के साथ ईसा-चरति बाँटने की याद दलिाएगा एवं बातचीत के लिए एक अच्छा वषिय भी हैं। कंगन के रंग हमें याद दलिाते हैं कि ईसा-चरति कसि तरह उन लोगों में बांटे जो ईश्वर को खोज रहे हैं।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 34 10/14/2013 10:47:22 PM

ईसा-चरति कंगन हमे बताता हैं कि हम कसि तरह से ईश्वर के घर से आए हैं। शुरुआत में ईश्वर था - स्वर्ण मोती। उस पवत्रि आत्मा ने आकाश और समुन्द्र के साथ एक संपूर्ण दुनयिा की रचना की - नीला मोती। उसने मानव को बनाया आदमी और उसे एक सुंदर बागीचे में रखा - हरा मोती। उन पहले आदमी और औरत ने ईश्वर की बात नहीं मानी और इस दुनयिा में दुःख और क्लेश ले आए - काला मोती। ईश्वर ने दुनयिा में अपने एकलौते पुत्र को भेजा और उन्होंने एक परपूिर्ण जीवन जीया - सफेद मोती। यीशु ने सूली पर चढ़कर हमारे पापों का भुगतान कयिा - लाल मोती।

ईसा-चरति कंगन हमें ये दखिता हैं कि हम क्रम को उलटा करके सब फरि से ईश्वर के परविार में कैसे लौट सकते हैं। ईश्वर ने कहा हैं कि जो भी मानता हैं के यीशु ने उन के लएि सूली पर चढकर जान दी थी - लाल मोती - और यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं - सफेद मोती - उन्हें अपने पापों से मुक्ति मलि गयी हैं - काला मोती। ईश्वर हमें वापस अपने परविार में बुला लेंगे और उनके परविार में हम यीशु की तरह बनेंगे - हरा मोती। ईश्वर हमें उनकी पवत्रिा आत्मा देते हैं - नीला मोती - और वादा करते हैं कि हम मरने के बाद उनके साथ स्वर्ग में होंगे, जहां सड़के भी सोने की होती हैं - स्वर्ण मोती।

यह अध्याय बताते हुए पूरा होता हैं कि यीशु ही ईश्वर तक जाने का एकमात्र रास्ता हैं। उसके अलावा कोई भी इतना चतुर, इतना अच्छा या इतना ताकतवर या इतना प्यारा नहीं हैं कि खुद ईश्वर को पा सके। केवल यीशु ही वो रास्ता हैं जसिपे चलकर लोग वापस ईश्वर तक पहुच सकते हैं। यीशु के सद्धिांतो पर चलना ही वो सच हैं जोकि लोगों को उनके पापों से मुक्त कर देता हैं। केवल यीशु कसिी को अनन्त जीवन दे सकते हैं क्योंकि उन्होंने सूली पे चढ़कर अपनी जान दी थी।

प्रशंसा

प्रगति

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 35 10/14/2013 10:47:22 PM

समस्या

योजना

समीक्षा:

स्वागतमम
चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?

- *कोरन्थिसि 11।1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।*

यीशु की तरह अभ्यास करो:
यीशु ने कैसे लीडर को अभ्यास कराया?

- लूकस 6:40- "शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शक्षिा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।"

यीशु की तरह नर्दिेशन करें
यीशु ने कसिे महानतम लीडर कहा है?
एक महान लीडर के सात गुण कोनसे हैं?

- जॉन 13:14 -15 - "इसलयि यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 36 10/14/2013 10:47:22 PM

दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।“

शक्तशिाली बनना

ईश्वर ने आपको कसि तरह का व्यक्तत्वि दयिा हैं?

ईश्वर को कसि प्रकार का व्यक्तत्वि सबसे ज्यादा पसंद हैं?

कसि प्रकार के व्यक्तत्वि का लीडर सबसे अच्छा होता हैं?

- रोमनों 00:04 5 जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता, उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल:

दुनयिा में लोगों के आठ प्रकार क्यों हैं?यीशु इनमे से कैसे हैं?

जब कोई मनमुटाव होता हैं तो तीन कौन से वकिल्प होते हैं?

- गलातयिन्स 02:20 - मैं अब जीवति नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवति हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत हैं-ईश्वर के पुत्र में वश्विास, जसिने मुझे प्यार कयिा और मेरे लएि अपने को अर्पति कयिा।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 37 10/14/2013 10:47:22 PM

मैं सरल ईसा-चरति कैसे बाँट सकता हूँ?

ल्यूक 24:1 - 7:
सप्ताह के प्रथम दनि, पौ फटते ही, महलिाएं तैयार कयि हुए सुगन्धति द्रव्य ले कर क़ब्र के पास गयीं। उन्होंने पत्थर को क़ब्र से अलग लुढ़काया हुआ पाया, कन्तिु भीतर जाने पर उन्हें प्रभु ईसा का शव नहीं मलिा। वे इस पर आश्चर्य कर ही रही थी कि उजले वस्त्र पहने दो पुरुष उनके पास आ कर खड़े हो गये। स्त्रयिों ने भयभीत हो कर धरती की ओर सरि झुका लयिा। उन पुरुषों ने उन से कहा, "आप लोग जीवति को मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हैं? वे यहाँ नहीं हैं- वे जी उठे हैं। गलीलयिा में रहते समय उन्होंने आप लोगों से जो कहा था, वह याद कीजए। उन्होंने यह कहा था कि मानव पुत्र को पापयिों के हवाले कर दयिा जाना होगा, क्रूस पर चढ़ाया जाना और तीसरे दनि जी उठना होगा।"

स्वर्ण मोती

नीला मोती

हरा मोती

काला मोती

सफेद मोती

लाल मोती

लाल मोती

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 38 10/14/2013 10:47:22 PM

सफेद मोती

काला मोती

हरा मोती

नीला मोती

स्वर्ण मोती

हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता है?

1. _____

यशायाह 55:9 -
जसि तरह आकश पृथ्वी के ऊपर बहुत ऊँचा हैं, उसी तरह मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गों से और मेरे वचिार तुम्हारे वचिारों से ऊँचे हैं।

कोई भी इतना समझदार नहीं होता: अपनी तर्जनी ऊँगली सरि की दोनों ओर रखें और अपना सरि "नहीं" में हलिाएं।

2. _____

-64:6, यशायाह -
हम सब-के-सब अपवत्रि हो गये और हमारे समस्त धर्मकार्य मलनि वस्त्र जैसे हो गये थे। हम सब पत्तों की तरह सूख गये और हमारे पाप हमें पवन की तरह छतिराते रहे।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 39 10/14/2013 10:47:22 PM

- कोई भी बोहत ज़्यादा नहीं दे रहा
  अपने कमीज़ की जेब या पर्स से बहुत सारे पैसे निकिलने का बहाना करें और अपना सिर "नहीं" में हिलाए

3. _____

- रोमन 7:18 -

मैं जानता हूँ कि मुझ में, अर्थात मेरे दैहिक स्वभाव में थोड़ी भी भलाई नहीं; क्योंकि भलाई करने की इच्छा तो मुझ में विद्यमान हैं, किन्तु उसे कार्य्यान्वित करने की शक्ति नहीं हैं। (HCSB)

- कोई भी इतना सक्षम नहीं:
  दोनों बाहों को ऊपर की तरफ एक "मजबूत आदमी" की तरह रखें और अपना सिर "नहीं" में हिलाओ।

4. _____

- रोमन 3:23

क्योंकि सबों ने पाप किया और सब ईश्वर की महिमा से वंचित किये गये।

- कोई भी इतना अच्छा नहीं
  हाथ इस तरह बाहर रखो जैसे की तराजू संभाल रहे हों और उन्हें ऊपर नीचे करें और अपना सिर "नहीं" में हिलाए।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 40 10/14/2013 10:47:22 PM

स्मृति छंद:

जॉन 14:6 -
ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।''

अभ्यास

"अब हम उसी अभ्यास तकनीक को अपनाएंगे जो यीशु प्रयोग करते थे और जो हमने इस नेतृत्व पाठ में सीखी है"।

समाप्त:

लीडरों के प्रशिक्षिण की ताकत

मेरा यीशु तक जाने की योजना

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 41 10/14/2013 10:47:22 PM

७

अनुयायी बनाएं

एक अच्छे लीडर के पास हमेशा एक अच्छी योजना होती है। ल्यूक १० में यीशु ने अपने अनुयायियों को उनके मंत्रालयों के लिए एक सरल, लेकिन शक्तिशाली योजना दी: अपने दिल को तैयार करो, शांत रुपी लोगों को खोजो, अच्छी खबर बाटो, और परिणामों का मूल्यांकन करो। यीशु ने हमें पालन करने के लिए एक अच्छी योजना दी है।

चाहे हम मंत्रालय एक चर्च में शुरू करें, एक नए चर्च में, या एक छोटे समूह में, यीशु योजना के कदम हमें अनावश्यक गलतियों से बचने में मदद करेंगे। यह अध्याय लीडर को ये सीखाता है कि कैसे दूसरों को उनकी निजी यीशु योजनाओं के लिए प्रशिक्षण दें। वे भी उनकी समूह में यीशु योजना प्रस्तुतियों की तरफ काम करना शुरू करेंगे।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 42 10/14/2013 10:47:22 PM

प्रशंसा प्रगति समस्या योजना

समीक्षा

स्वागतम

चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?

1 कोरिन्थियों 11।1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशिक्षण दिया?

लूका 6:40- शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 43 10/14/2013 10:47:22 PM

यीशु की तरह नेतृत्व करें

येशु महानतम लीडर कसिको कहेंगे?

एक महान लीडर की सात वशिषताएं क्या हैं?

> *जॉन* 13:14-15--अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

ताक़तवर बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दयिा है?

ईश्वर को कसि प्रकार का व्यक्तित्व सबसे ज़्यादा पसंद है?

कसि प्रकार का व्यक्तित्व सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

> *रोमनस 12:4-5- जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।*

एकता में बल

दुनयिा में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?

यीशु कसिकी तरह हैं?

प्रतदि्वंदति की अवस्था में तीन वकिल्प क्या है?

ईश्वर की आत्मा के द्वारा एकसाथ मलिकर काम करने का रास्ता खोजना

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 44 10/14/2013 10:47:22 PM

गलातयिन्स 02:20 - मैं अब जीवति नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवति हैं।

ईसा चरति बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरति बाँट सकता हूँ?
हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बनिा कोई पति के पास नहीं आ सकता।''

यीशु की योजना में पहला कदम क्या है?

ल्यूक 10:1-4-
इसके बाद प्रभु ने अन्य बहत्तर शष्यि नयिुक्त कयिे और जसि-जसि नगर और गाँव में वे स्वयं जाने वाले थे, वहाँ दो-दो करके उन्हें अपने आगे भेजा।

उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत है, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलए फ़सल के स्वामी से वनिती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लए मज'दूरों को भेजे।
जाओ, मैं तुम्हें भेड़यिों के बीच भेड़ों की तरह भेजता हूँ।
तुम न थैली, न झोली और न जूते ले जाओ और रास्तें में कसिी को नमस्कार मत करो।

☙ मुझ पर झुकाव रखो ☙

☝ दोनों हाथों पर तर्जनी और मध्यम उँगलयिों का प्रयोग करके एक साथ “चलें”।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 45 10/14/2013 10:47:22 PM

जहाँ यीशु कार्य कर रहे हैं वहां जाओ (1)

- एक हाथ दलि पर रखें और 'न' में सरि हलिाएं।
- एक हाथ आंखों पर रखें, बायीं और दाहनिी ओर खोजें।
- अपने सामने एक जगह की ओर हाथ से इशारा करें और हाँ में सरि हलिाएं।
- प्रशंसा में हाथ ऊपर उठाएँ और फरि उन्हें अपने दलि के पास cross करें।

फसल में से लीडरों के लिए प्रार्थना करें (2)

- प्रशंसा
  हाथ पूजा में उठे हुए।
- प्रायश्चित्त करें
  हथेलियों बहार की और रखकर चेहरा ढकें; सरि दूर घुमाकर रखें
- नविदन करें
  प्राप्त करने के लिए हाथों को कप की मुद्रा में बनाएं
- उपज
  सम्मान के प्रतीक में, हाथ प्रार्थना में जोड़ कर माथे के पास ऊँचे रखें।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 46 10/14/2013 10:47:22 PM

विनिम्रतापूर्वक चलें (3)

~ **एक बड़ा लीडर** ~

- विनिम्रतापूर्वक जाएँ
  हाथ "प्रार्थना" मुद्रा में जोडें और सर झुकाएं।

भगवान पर निर्भर रहें, धन पर नहीं (4)

~ *पैसा शहद की तरह हैं* ~

- भगवान पर निर्भर बनो पैसे पर नहीं। अपनी कमीज़ की जेब से पैसे लेने का अभिनय करें, 'ना' में अपना सिर हिलाएं, और फिर स्वर्ग की ओर इशारा करते हुए 'हाँ'में अपना सिर हिलाएं।

जहां वह बुला रहा हैं वहां सीधे जाओ (4)

~ **अच्छे विकिर्षण** ~

- दोनों हाथों की हथेलियों और उंगलियों को एकसाथ रखें और "तुरन्त" की गति बनाएं।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 47 10/14/2013 10:47:22 PM

स्मृति छंद

- लूका 10:2-
उन्होंने उन से कहा, "फ़सल तो बहुत हैं, परन्तु मज़दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज़दूरों को भेजे।

अभ्यास

समाप्त

मेरी यीशु योजना

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 48 10/14/2013 10:47:22 PM

८

समूह प्रारंभ करें

लीडरों ने यीशु योजना के पालन के लिए खुद को दिल से तैयार किया। सबक "समूह प्रारंभ करें" में चरण २,३ और ४ शामिल हैं। हम बस ल्यूक १० के यीशु योजना के सिद्धांतों का पालन करने से ही मंत्रालय और मिशन की कई गलतियों से बच सकते हैं। लीडर जब इस सत्र के अंत में अपनी निजी "यीशु योजना "भरें तो इन सिद्धांतों का उपयोग करें।

चरण २ संबंधों को विकसित करने के बारे में हैं। हम भगवान के साथ वहां शामिल हो जाते हैं जहां वह काम कर रहा है और ऐसे प्रभावशाली लोग खोजते है, जो संदेश के लिए संवेदनशील हैं। हम उन्हें अपनी स्वीकृति दिखाने के लिए खाते और पीते हैं जो वे हमें देते हैं। हम एक दोस्ती से दूसरी, के लिए नहीं जाते क्योंकि इससे हम जो मेल - मिलाप का उपदेश दे रहे हैं उस संदेश का अपमान होता है।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 49 10/14/2013 10:47:22 PM

चरण ३ में हम अच्छी खबर बांटते हैं। यीशु एक चरवाहा हैं और लोगों की रक्षा और संरक्षण करना चाहते हैं। इस चरण में, प्रशिक्षक लीडरों को अपने नेतृत्व के दौरान चिकित्सक तरीके खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जब तक लोग ये नहीं जानते की तुम संरक्षण करते हो तब तक वो इस बात की परवाह नहीं करते की तुम जानते हो। बीमार का उपचार ईसा चरित बाँटने के द्वार खोलता है।

हम चरण ४ में परिणामों का मूल्यांकन करते है। लोग कितने ग्रहणशील हैं? क्या आध्यात्मिक मामलों में उनकी रूचि वास्तविक मायने रखती है या दूसरे कारण जैसे पैसा जो उनकी जिज्ञासा जगाता है? अगर लोग प्रतिक्रिया कर रहे हैं, तो हम रूककर अपना कार्य जारी रखते हैं। अगर लोग प्रतिक्रिया नहीं कर रहे हैं, यीशु हमें छोड़कर कहीं और शुरुआत करने का आदेश देते हैं ।

प्रार्थना

प्रगति

समस्या

योजना

समीक्षा

स्वागतमम्
चर्च कौन बनाता हैं?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 50 10/14/2013 10:47:22 PM

वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?

1 कोरन्थिसि 11।1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशक्षिण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशक्षिण दयिा?

ल्यूक 6:40- शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शक्षिा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।

यीशु की तरह नेतृत्व करें

यीशु ने कसिको महानतम लीडर कहा हैं?
एक महान लीडर के सात गुण क्या हैं?

जॉन 13:14 -15- इसलयि यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

शक्तशिाली बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तत्वि दयिा है?
ईश्वर को कसि प्रकार का व्यक्तत्वि सबसे ज्यादा पसंद हैं?
कसि प्रकार का व्यक्तत्वि सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

रोमंस 12:4-5- जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 51 10/14/2013 10:47:22 PM

प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल

दुनिया में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?
यीशु कसिकी तरह हैं?
प्रतदि्वंदता की अवस्था में तीन वकिल्प क्या है?

गलातयिन्स 02:20 - मैं अब जीवति नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवति है। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत है-ईश्वर के पुत्र में वशि्वास, जसिने मुझे प्यार कयिा और मेरे लएि अपने को अर्पति कयिा।

ईसा चरति बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरति बाँट सकता हूँ?
हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बनिा कोई पति के पास नहीं आ सकता।''

अनुयायी बनाएं

यीशु की योजना में पहला कदम क्या है?

ल्यूक 10:2-4-उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत हैं, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलएि फ़सल के स्वामी से वनिती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लएि मज'दूरों को भेजे।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 52 10/14/2013 10:47:22 PM

यीशु की योजना में दूसरा कदम क्या हैं?

लूका 10:5-8-

5 जिस घर में प्रवेश करते हो, सब से पहले यह कहो, 'इस घर को शान्ति!'

6 यदि वहाँ कोई शान्ति के योग्य होगा, तो उस पर तुम्हारी शान्ति ठहरेगी, नहीं तो वह तुम्हारे पास लौट आयेगी।

7 उसी घर में ठहरे रहो और उनके पास जो हो, वही खाओ-पियो; क्योंकि मजदूर को मजदूरी का अधिकार है। घर पर घर बदलते न रहो।

8 जिस नगर में प्रवेश करते हो और लोग तुम्हारा स्वागतम करते हैं, तो जो कुछ तुम्हें परोसा जाये, वही खा लो।

शांत रुपी व्यक्ति की खोज करें (5,6)

- शांत रुपी लोग
  अपने हाथ एकसाथ इस प्रकार पकड़ें जैसे दोस्त हाथ मिलाते हैं

वही खाएं और पियें जो उन्होंने दिया है (7, 8)

- खाना और पीना
  खाने और पीने का अभिनय करें। फिर पेट को ऐसे मलें जैसे खाना अच्छा है।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 53 10/14/2013 10:47:22 PM

एक घर से दूसरे घर न जायें (7)

- एक घर से दूसरे घर न जायें
  दोनों हाथों से एक घर की छत की रूपरेखा बनाएं। घर को कई स्थानों पर स्थानांतरित कराएं और "ना" में सर हिलाएं ।

एक गाँव को गुस्सा कैसे दिलाए

यीशु की योजना में तीसरा कदम क्या है?

लूका 10:9-
वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है'।

रोगियों का उपचार करें (9)

- रोगियों का उपचार करें
  अपने हाथ इस प्रकार फैलाएं जैसे आप अपने हाथ एक बीमार व्यक्ति पर उपचार करने के लिए रख रहे हैं।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 54 10/14/2013 10:47:22 PM

ईसा चरति बाटें (9)

ईसा चरति बाटें
हाथ मुंह के आसपास प्याले के आकार में इस प्रकार रखें जैसे आपने भोंपू पकड़ रखा है।

दो - पंखों वाला पक्षी

यीशु की योजना में चौथा कदम क्या हैं?

ल्यूक 10:10-11-
परन्तु यदि किसी नगर में प्रवेश करते हो और लोग तुम्हारा स्वागतम नहीं करते, तो वहाँ के बाज'ारों में जा कर कहो, ‹अपने पैरों में लगी तुम्हारे नगर की धूल तक हम तुम्हारे सामने झाड़ देते हैं। तब भी यह जान लो कि ईश्वर का राज्य आ गया हैं।'

मूल्यांकन करें कि वे कैसे प्रतिक्रिया करते हैं (10, 11)

परिणामों का मूल्यांकन करें
हथेलियों को इस प्रकार आगे रखें जैसे तराजू का संतुलन कर रहे हैं। अपने चेहरे पर प्रश्न का भाव बनाते हुए तराजू को ऊपर और नीचे ले जाएँ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 55 10/14/2013 10:47:22 PM

चले जायें अगर उनहोंने प्रतिक्रिया नहीं दी है (11)

- छोड़ दें अगर परिणाम नहीं है
  अलविदा में हाथ हिलाएं

स्मृति छंद

- लूका 10:9-
वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है'।

अभ्यास

समाप्त

मेरी यीशु योजना

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 56 10/14/2013 10:47:22 PM

९

समूह वृद्धि करें

भगवान में बढ़ता विश्वास परिणाम है स्वस्थ चर्चों के पुनः निर्माण का, ईसा चरित बांटने, अनुयायी बनाने, समूह शुरू करने, और लीडरों को प्रशिक्षण देने के लिए। ज़्यादातर लीडरों ने चर्च की शुरूआत कभी नहीं की, हालांकि, उन्हें नहीं पता था कि शुरू कैसे करना है। "समूह वृद्धि" ने उन जगहों से अवगत कराया जिन पर हमें समूहों की शुरुआत करते समय ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जो गिरिजाघरों तक ले जायें। प्रेरित-चरित में, यीशु ने हमे चार विभिन्न जगहों पर समूहों को शुरू करने की आज्ञा दी है। उन्होंने कहा है कि समूहों को उन शहर और क्षेत्र मे शुरू करो जहां हम रहते हैं। इसके बाद, उन्होंने कहा की जिस क्षेत्र मैं हम रहते हैं वहां के पड़ोसी क्षेत्र और अलग जातीय समूह में नए भाईचारे कि शुरुआत करें। अंत में, यीशु हमें इस विश्व के दूर-दराज की जगह और हर जातीय समूह तक पहुँचने

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 57 10/14/2013 10:47:22 PM

की आज्ञा देते हैं। प्रशक्षिक लीडरों को सब लोगों के लिए यीशु के दलि को अपनाने के लिएप्रोत्साहति करते हैं और येरुसालेम, यहूदयिा, समारयिा, और दुनयिा के अंत तक पहुँचने की योजना बनाते है। सभी लीडर अपनी यीशु की योजना के साथ इन वचनों को जोड़ देते हैं।

प्रेरति-चरति में चार प्रकार के समूह शुरू करने वालों के कार्यों के बारे में भी दर्शाया गया है। पीटर, एक पादरी ने कोर्नेलअिस के घर में एक समूह की शुरुआत करने में सहायता की। पॉल, एक साधारण इंसान, ने समूह बनाते हुए पूरे रोमन प्रदेश की यात्रा की। प्रसिीला और अकीला, स्वरोजगार व्यापार मालकि, ने समूहों की वहीँ शुरुआत की जहाँ भी उनका व्यापार उन्हें ले गया। "सताए हुए "लोग अधनियिम 8 में फैल गए और जहाँ भी गए वहां समूह शुरू कयि। इस पाठ में, लीडर अपने प्रभाव की धारा में संभव समूह प्रारंभ करने वालों की पहचान करते हैं और उनेहे अपनी "यीशु योजना "में जोड़ते हैं। सत्र चर्च शुरू करने के लिए एक बड़े बैंक खाते की जरुरत होती की धारणाओं को संबोधति करते हुए समाप्त होता है। ज़्यादातर चर्च एक बाइबलि की तुलना में थोड़े अधकि खर्च के साथ घरों में शुरू होते हैं।

प्रार्थना

प्रगति

समस्या

योजना

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 58 10/14/2013 10:47:22 PM

समीक्षा

स्वागत

चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?

> *1 कोरिन्थियस* 11.1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशिक्षण दिया?

> *ल्यूक 6:40- शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।*

यीशु की तरह नेतृत्व करें

येशु महानतम लीडर किसको कहेंगे?
एक महान लीडर की सात विशेषताएं क्या हैं?

> *जॉन* 13:14-15-अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

शक्तिशाली बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दिया है?
ईश्वर को किस प्रकार का व्यक्तित्व सबसे ज्यादा पसंद है?
किस प्रकार का व्यक्तित्व सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 59 10/14/2013 10:47:23 PM

रोमंस 12:4-5- जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल

दुनयिा में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?
यीशु कसिकी तरह हैं?
प्रतद्विंदता की अवस्था में तीन वकिल्प क्या हैं?

गलातयिन्स 02:20 - मैं अब जीवति नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवति हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत है-ईश्वर के पुत्र में वशि्वास, जसिने मुझे प्यार कयिा और मेरे लएि अपने को अर्पति कयिा।

ईसा चरति बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरति बाँट सकता हूँ?
हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता है?

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बनिा कोई पति के पास नहीं आ सकता।''

अनुयायी बनाएं

यीशु की योजना में पहला कदम क्या है?

ल्यूक 10:2-4-उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत है, परन्तु मज'दूर थोड़े

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 60 10/14/2013 10:47:23 PM

हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज'दूरों को भेजे।

समूह प्रारंभ करें

यीशु की योजना में दूसरा कदम क्या है?
यीशु की योजना में तीसरा कदम क्या है
यीशु की योजना में चौथा कदम क्या है

लूका 10:9- वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है'।

चार स्थान कहाँ हैं जहाँ यीशु ने विश्वासियों को समूह शुरू करने की आज्ञा दी है?

- प्रेरित-चरित 1:8-

किन्तु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और सामरिया में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।

1. _____

2. _____

3. _____

4. _____

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 61 10/14/2013 10:47:23 PM

समूह या चर्च शुरू करने के चार तरीके क्यों हैं?

1. _____

- प्रेरित-चरित 10:9-
दूसरे दिन जब वे यात्रा करते-करते नगर के निकट आ रहे थे, तो पेतुरुस दोपहर के लगभग छत पर प्रार्थना करने लगा।

2. _____

- प्रेरित-चरित 13:2-
वे किसी दिन उपवास करते हुए प्रभु की उपासना कर ही रहे थे कि पवित्र आत्मा ने कहा, "मैंने बरनाबस तथा साऊल को एक विशेष कार्य के लिए निर्दिष्ट किया हैं। उन्हें मेरे लिए अलग कर दो।"

3. _____

-1 कुरिन्थि 16.19-
एशिया की कलीसियाएँ आप लोगों को नमस्कार कहती हैं। आक्विला, प्रिस्किा और उनके घर में सभा करने वाली कलीसिया आप को प्रभु में हार्दिक नमस्कार कहती है।

4. _____

- प्रेरित-चरित 8:1-
साऊल इस हत्या का समर्थन करता था। उसी दिन येरुसालेम में कलीसिया पर घोर अत्याचार प्रारम्भ हुआ। प्रेरितों को छोड़ सब-के-सब यहूदिया तथा समारिया के देहातों में बिखर गये।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 62 10/14/2013 10:47:23 PM

स्मृति छंद

- प्रेरित-चरित 1:8-
किन्तु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और सामरिया में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।''

अभ्यास

समाप्त

नए चर्च को शुरू करने में कितना खर्चा आता है?

मेरी यीशु योजना

एक ओर आम सवाल

आप प्रशिक्षण सत्र में अनपढ़ लोगों के साथ कैसे काम करेंगे?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 63 10/14/2013 10:47:23 PM

१०

यीशु का पालन करें.

लीडरों ने "*कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण*" में सीखा है कि कोन चर्च बनाते हैं और क्यों यह महत्वपूर्ण है। उन्हें दुनिया तक पहुंचने के लिए यीशु रणनीति के पांच भागों में महारत हासिल है और एक दुसरे को सिखाने का अभियास है। उन्होंने एक महान लीडर के सात गुणों को समझा है, भविष्य के लिए एक प्रशिक्षण पेड़ विकसित किया है और जानते हैं कि कैसे अलग व्यक्तियों के साथ काम करना है। प्रत्येक लीडर की एक योजना है जो यीशु की ल्यूक १० योजना के आधार पर है। "यीशु का पालन करें" नेतृत्व के अवशेष के एक हिस्से को दर्शाता है।

दो हजार साल पहले,लोग विभिन्न कारणों के लिए यीशु का पाल न करते थे। कुछ जेम स और जॉन की तरह विश्वास रखते थे की यीशु प्रसिद्धि दिलिवाएगा। दुसरे फरीसियों की तरह, उसका पालन आलोचना और अपनी श्रेष्ठता दिखाने के लिए

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 64 10/14/2013 10:47:23 PM

करते थे। अभी भी कुछ, यहूदा की तरह यीशु का पालन पैसे के लिए करते है। पांच हजार की एक भीड़ भी यीशु का पाल न करना चाहती थी, क्योकि उसने उनको भोजन दिया जिसकी उनको जरुरत थी। ए क अन्य समूह ने यीशु का पालन किया क्योंकि उन्हें चिकित्सा की जरूरत है, और केवल एक ही व्यक्ति लौट के धन्यवाद कहने आया। दुर्भाग्य से, कई लोगों ने स्वार्थ के लिए यीशु का पालन किया जो वो उन्हें दे सकता था। लीडरों के रूप में, हम अपने आप को जांच करे और पूछे की क्यों मैं यीशु का पाल न कर रहा हूँ।

यीशु ने उनकी प्रशंसा की जिन्होंने उसे दिल से प्यार किया। एक ठुकरी महिला द्वारा इत्र के असाधारण उपहार ने स्मरण का वादा करवाया जहाँ भी लोग सुसमाचार का प्रचार करते थे। एक विधवा घुन ने यीशु के दिल को सोने के मंदिर से भी अधिक छुआ। जब एक होनहार युवा आदमी ने अपने पूरे दिल के साथ भगवान से प्यार करने से इनकार कर दिया, उसने धन को चुना तो यीशु निराश हो गये थे। इसके अलावा, यीशु ने सिर्फ पीटर से उसके साथ हुए विश्वास घात से बहाल करने का ए क सवाल पूछा।"साइमन, क्या तुम मुझे प्यार करते हो?" अध्यात्मिक लीडर लोगो से प्यार करते है और भगवान से प्यार करते है।

सत्र प्रत्येक लीडर की "यीशु योजना" साझा करने के साथ खत्म होता है।

प्रार्थना

प्रगति

स्वागतम

चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 65 10/14/2013 10:47:23 PM

1 कोरन्थिसि 11।1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशक्षिण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशक्षिण दयिा?

ल्यूक 6:40- शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शक्षिा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।

यीशु की तरह नेतृत्व करें

येशु महानतम लीडर कसिको कहेंगे?

एक महान लीडर की सात वशिेषताएं क्या हैं?

जॉन 13:14-15-अब,यदि मैं- तुम्हारे परभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहयि। मैंने तुम्हें उदाहरण दयिा हैं, जसिसे जैसा मैंने तुम्हारे साथ कयिा वैसा ही तुम भी कयिा करो।

ताक़तवर बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तत्वि दयिा है?

ईश्वर को कसि परकार का व्यक्तत्वि सबसे ज्यादा पसंद है?

कसि परकार का व्यक्तत्वि सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

रोमनस 12:4-5- जसि परकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी परकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 66 10/14/2013 10:47:23 PM

एकता में बल

दुनिया में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?
यीशु किसिकी तरह हैं?
प्रतिद्वंदिता की अवस्था में तीन विकल्प क्या है?

गलातियिन्स 02:20 - मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत हैं-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया।

ईसा चरित बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरित बाँट सकता हूँ?
हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।''

अनुयायी बनाएं

यीशु की योजना में पहला कदम क्या है?

ल्यूक 10:2-4-उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत है, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज'दूरों को भेजे।

समूह प्रारंभ करें

यीशु की योजना में दूसरा कदम क्या है?

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 67 10/14/2013 10:47:23 PM

यीशु की योजना में तीसरा कदम क्या है?
यीशु की योजना में चौथा कदम क्या है

लूका 10:9- वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है'।

चर्च प्रारंभ करें

कितने चार स्थानों पर यीशु ने विश्वासियों को चर्च को शुरू करने की आज्ञा दी?
चर्च शुरू करने के चार तरीके क्या हैं?
एक नया चर्च शुरू करने में कितना खर्च आता है?

- प्रेरित-चरित 1:8-किंतु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और सामरिया में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।

योजना

आप यीशु का पाल न क्यों करते हैं?

1. _____

- मार्क 10:35-37-
जीबदी के पुत्र याकूब और योहन ईसा के पास आ कर बोले, "गुरुवर! हमारी एक प्रार्थना है। आप उसे पूरा करें।"

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 68 10/14/2013 10:47:23 PM

ईसा ने उत्तर दयिा, ''क्या चाहते हो? मैं तुम्हारे लएि क्या करूँ?'' उन्होंने कहा, ''अपने राज्य की महमिा में हम दोनों को अपने साथ बैठने दीजएि- एक को अपने दायें और एक को अपने बायें''।

2. _____

-ल्यूक 11:53-54 -
जब ईसा उस घर से नकिले, तो शास्त्री, और फ़रीसी बुरी तरह उनके पीछे पड़ गये और बहुत-सी बातों के सम्बन्ध में उन को छेड़ने लगे।वे इस ताक में थे कि ईसा के कसिी-न-कसिी कथ न में दोष नकिाल लें।

3. _____

- जॉन 12:4-6-
इस पर ईसा का एक शष्यि यूदस इसकारयिोती जो उनके साथ वश्विास घात करने वाला था, यह बोला, ''तीन सौ दीनार में बेचकर इस इत्र की कीम त गरीबों में क्यों नही बाँटी गयी?'' उसने यह इसलयि नहीं कहा कि उसे गरीबों की चति ा थी, बल्कि इसलयि कि वह चोर था। उसके पास थैली रहती थी और उस में जो डाला जाता था, वह उसे नकिाल लेता था।

4. _____

- जॉन 6:11-15-
ईसा ने रोटयिाँ ले लीं, धन्यवाद की प्रार्थना पढ़ी और बैठे हुए लोगों में उन्हें उनकी इच्छा भर बँटवाया। उन्होंने मछलयिाँ भी इसी तरह बँटवायीं। जब लोग खा कर तृप्त हो गये, तो ईसा ने अपने शष्यिों से कहा, ''बचे हुए टुकड़े बटोर लो, जसिसे कुछ भी बरबाद न हो''। इस लएि शष्यिों ने उन्हें बटोर लयि ा और उन टुकड़ों से बारह टोकरे भरे, जो लोगों के खाने के बाद जौ की पाँच रोटयिों से बच गये थे। लोग ईसा का यह चमत्कार देख कर बोल उठे, ''नश्चिय ही यह वे नबी हैं, जो संसार में आने वाले हैं''। ईसा समझ गये कि वे आ कर मुझे राजा बनाने के लएि पकड़ ले जायेंगे, इसलएि वे फरि अकेले ही पहाड़ी पर चले गये।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 69 10/14/2013 10:47:23 PM

5. _____

-ल्यूक 17:12-14-

कसिी गाँव में प्रवेश करने पर उन्हें दस कोढ़ी मलि, जो दूर खड़े हो गये और ऊँचे स्वर से बोले, "ईसा! गुरूवर! हम पर दया कीजएि"। ईसा ने उन्हें देख कर कहा, "जाओ और अपने को याजकों को दखिलाओ", औ र ऐसा हुआ कि वे रास्ते में ही नीरोग हो गये।

क्या आपको नर्विासति पापी औरत याद है जसिने यीशु पर महंगा इत्र डाला?

- मैथ्यू 26:13-

मैं तुम लोगों से यह कहता हूँ- सारे संसार में जहाँ कहीं इस सुसमाचार का प्रचार कयिा जायेगा, वहाँ इसकी स्मृति में इसके इस कार्य की चरचा होगी।"

क्या आपको गरीब वधिवा याद है? उसकी पेशकश ने यीशु के दलि को मंदरि के धन से अधकि छुआ ।

ल्यूक 21:03-

और कहा, "मैं तुम लोगों से यह कहता हूँ-इस कंगाल वधिवा ने उन सबों से अधकि डाला है।

क्या आप एक सवाल याद है जो यीशु ने पीटर को धोका देने के बाद पूछा?

जॉन 21:17-

ईसा ने तीसरी बार उस से कहा, "समिोन योहन के पुत्र! क्या तुम मुझे प्यार करते हो?" पेत्रुस को इस से दुःख हुआ कि उन्होंने तीसरी बार उस से यह पूछा, 'क्या तुम मुझे प्यार करते हो' और उसने ईसा से कहा, "प्रभु! आप को तो सब कुछ मालूम है। आप जानते हैं कि मैं आप को प्यार करता हू।" ईसा ने उस से कहा मेरी भेडों को चराओ।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 70 10/14/2013 10:47:23 PM

यीशु योजना प्रस्तुतियाँ

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 71 10/14/2013 10:47:23 PM

लीडरों का प्रशिक्षण

कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण शुरू होता है कट्टरपंथी अनुयायी बनाने से और जिन्होंने अनुयायी बनाने के लिए समूह बनाये हैं उन्हें भी यह कार्यक्रम लीडर-लोग और बहुतायत में समूह बनाने में मदद करेगा।

प्रशिक्षण के परिणाम

प्रशिक्षण रूपी इस व्याख्यान को पूरण करने के बाद प्रशिक्षणार्थी निम्न क्रिया कर सकते हैं।

- नए लीडरों को दस मुख्य नेतृत्वगुण सीखाना।
- येशु की प्रतिलिपि प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का उपयोग करके नए लीडरों को प्रशिक्षित करना।
- व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों की पहचान करके लोगों को समूह के रूप में कार्य संपन्न करने में मदत करना।
- जो समुदाय आध्यात्मिकता खो चुके हैं उनमे नए समूह बनाना और ऐसा करने के लिए योजना विकसित करना।
- चर्च रोपण के आंदोलन का कैसे नेतृत्व करना है यह समझना।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 72 10/14/2013 10:47:23 PM

प्रशक्षिण की प्रक्रयिा

नेतृत्व प्रशक्षिण का प्रत्येक सत्र एक ही आधार का अनुक्रमण करता है की कैसे येशु ने अंपने अनुयायियों को लीडर के रूप में प्रशक्षिति कयिा। पाठ की सामान्य रुपरेखा सुझावति समय अवधि के साथ इस प्रकार हैं।

प्रशंसा

- दो (या समय हो तो अधकि) भजन या सूत्र साथ मलिकर गाओ।
  (१० मनिट)

प्रगति

- पछिली मुलाकात से अब तक की अपने मंत्रालय की प्रगति के बारे में लीडर अनुभव साझा करता हैं। समूह लीडर और उसके मंत्रालय के लिए प्रार्थना करता हैं।
  (१० मनिट)

समस्या

- प्रशक्षिणकर्ता नेतृत्व में आने वाली एक आम समस्या का परचिय देता हैं और साथ ही समस्या को कहानी या व्यक्तगित उदाहरण के साथ समझाता हैं।
  (५ मनिट)

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 73 10/14/2013 10:47:23 PM

योजना

- प्रशिक्षणकर्ता लीडरों को नेतृत्व का एक आसान पाठ पढाते हैं जो लीडरों को नेतृत्व में आनेवाले समस्या का हल करने की अंतर्दृष्टि और कौशल सीखाता हैं। (२० मनिट)

अभ्यास

- लीडरों को चार समूहों में विभाजित करो ताकि वो नेतृत्व प्रशिक्षण में सीखे विधियों का अभ्यास कर सके और जो उन्होंने सीखा उसपर चर्चा कर सके। इसके अंतर्गत निम्न भाग आते हैं।
    - नेतृत्व के क्षेत्र में की गयी प्रगती
    - नेतृत्व के क्षेत्र में आयी समस्याओ का सामना
    - नेतृत्व में सीखे सबक पर आधारित ३० दिनों की सुधार की योजना
    - नेतृत्व के क्षेत्र में सीखे के कौशल का आनेवाले ३० दिन में अभ्यास
- लीडर-लोग साथ में खड़े होकर दस बार अपनी स्मृति से कविताएँ दोहराए, इसके पश्चयात छे बार बाइबल से पढेंगे और फिर चार बार अपनी स्मृति से दोहराए। (३० मनिट)

प्रार्थना

- चारो समूह प्रार्थना में आने वाली चिंताओ पर विचार साझा करते हैं और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं। (१० मनिट)

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 74 10/14/2013 10:47:23 PM

समाप्ति

- अधिकांश सत्र लीडरों को मदत करने की गतिविधि सीखकर अपने संदर्भ में लागु करने के साथ समाप्त होते हैं।
  (१५ मनिट)

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 75 10/14/2013 10:47:23 PM

सद्धिांतों का प्रशक्षिण

दूसरों को लीडरों के रूप में वकिसति करने में मदत करना एक रोमांचक काम हैं। लोकप्रयि राय के वपिरीत लीडर-लोग पैदा नहीं होते वो बनाये जाती हैं। अधकि से अधकि लीडर-लोग बनाने के लएि नेतृत्व वकिास का कार्यक्रम जाना बूझा और क्रमानुसारी होना चाहएि। कुछ लोग गलती से मानतें हैं की लीडर-लोग अपने व्यक्तत्वि के आधार पर लीडर बनते हैं। अमेरकिा में सफल चर्चो के पास्टर्स पर कयि गये एक सर्वेक्षण से पता चला हैं की वो अलग अलग व्यक्तत्वि के थे। जब हम येशु का अनुकरण का करते हैं तब हम सदी के सबसे बड़े लीडर का अनुकरण करते हैं और खुदको लीडर के रूप में वकिसति करते हैं।

बढ़त हासलि करते लीडरों को नेतृत्व के वकिास के लएि एक संतुलति दृष्टकिोण की जरुरत है। एक संतुलति दृष्टकिोण में ज्ञान, चरत्रि, कौशल और प्रेरणा की जरुरत होती हैं। एक व्यक्ती को प्रभावी लीडर बनने के लएि सभी चार घटकों की आवश्यकता होती हैं।ज्ञान के बनिा, गलत मान्यताए और गलतफहमयिां लीडर को गुमराह कर देती हैं। चरत्रि के बनिा लीडर नैतकि और आध्यात्मकि गलतयिा करेगा जसिसे चर्च रोपण के कार्यक्रम को बाधा पहुचेगी। आवश्यक कौशल के बनिा लीडर लगातार इस कार्य को दोहराने या फरि पुराने तरीको का उपयोग करेगा। अंत में, जसि लीडर के पास ज्ञान, चरत्रि और कौशल हैं पर कोई प्रेरणा नहीं हैं वो केवल अपनी स्थतिि को बनाये रखने की चतिा करेगा।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 76 10/14/2013 10:47:23 PM

अपने कार्य को पूर्ण करने के लिए आवश्यक तरीके लीडरों को आत्मसात करना चाहिए। प्रार्थना में महत्वपूर्ण समय व्यतीत करने के बाद लीडरों को एक सम्मोहक दृष्टी की जरुरत होती हैं। यह दृष्टि "आगे क्या करने की जरुरत है?" इस सवाल का जवाब देती हैं। लीडर-लोग को जो वो कर रहे हैं उसका उद्देश पता होना चाहिए और उद्देश "यह महत्वपूर्ण क्यों है?", इस सवाल का जवाब देता हैं। इस सवाल का हल जनिको पता होता हैं उन लीडरों को मुश्किलि वक्त में उपयुक्त नर्दिेशन मलिता हैं।लीडर-लोग को अपने मशिन का पता होना चाहयि। भगवान उसकी इच्छा को पूर्ण करने के लिए लोगों को एक समुदाय में एकत्रति करते हैं। इस कार्य में कौन शामलि होना चाहिए? इसका जवाब मशिन देता हैं। अंत में, अच्छे लीडर के पास पालन करने के लिए संक्षप्ति और स्पष्ट लक्ष्य होते हैं। आमतौर पर, एक लीडर दृष्टी, प्रयोजन और मशिन के माध्यम से चार से पाच लक्ष्य तय करते हैं। हम यह कैसे करेंगे? इसका जवाब तय कयि गये लक्ष्य देते हैं।

हमें पता चला हैं की समूह में से एक उभरते लीडर का चुनाव करना कतिना कठनि होता हैं। भगवान कसिी एक का चयन कर के हमे हमेशा आश्चर्यचकति कर देते हैं। सबसे उत्पादक दृष्टकिोण यह होता हैं की प्रत्येक व्यक्ती को ऐसा महसूस करवाओ को वह पहले से ही एक लीडर था। एक व्यक्ती शायद अपने आप का को ही नेतृत्व कर रहा हो, पर यह भी एक नेतृत्व ही तो हैं। आशावादी लोग बेहतर लीडर बनते हैं। जब हम लोगों को अनुयाययिों की तरह सँभालते हैं तब वे आगे चलके अनुयायी ही बनते हैं। जब हम लोगों को लीडर के रूप में सँभालते हैं तब आगे चलके वे भी लीडर बनते हैं। येशु समाज से सभी स्तरों में से लोगों का चयन करते हैं। येशु ऐसा इसलयि करते हैं क्योंकि वो ये साबति करना चाहते हैं की नेतृत्व उनके साथ बंधे रहने पर नर्भिर करता हैं नाकि बहरी संकेतों पर जो लोग अक्सर ढूंढते हैं। हमें लीडरों की कमी क्यों हैं? क्योंकि वर्तमान लीडर नए लोगों को नेतृत्व करने का अवसर देने से मना करते हैं।

कुछ कारक परमेश्वर के इस पवत्रि आंदोलन को नेतृत्व के अभाव में तेजी से रोक देते हैं। अफसोस की बात तो यह है की, हमने नेतृत्व के अभाव का सामना ज़्यादातर जगह पर करना पड़ा जहां हमने लोगों को प्रशक्षिति कयि (अमेरकि

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 77 10/14/2013 10:47:23 PM

सहति)। समुदाय में परमेश्वर के समान लीडर-लोग का होना - शांति, आशीर्वाद और सम्पन्नता लाता हैं। सुप्रसिद्ध संशोधक अल्बर्ट आइंस्टाइन एक प्रसिद्ध उधाहरण में कहते हैं की "हमारी वर्तमान समस्याओ का समाधान, हमारे वर्तमान नेतृत्व से संभव नहीं हैं"। परमेश्वर "यीशु का पालन - प्रशिक्षण" नए लीडरों को प्रेरति और सुसज्जति करने के लिए कर रहे हैं। हम प्रार्थना करते हैं की समान रूप से यह आपके साथ भी हो। सभी समय के सबसे बड़े लीडर आपके हरदय और मन को प्रत्येक आध्यात्मकि आशीर्वाद से भर दें। आपको मजबूत और प्रभाव बढ़ाने की क्षमता प्रदान करे। नेतृत्व की यही सच्ची परीक्षा हैं।

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 78 10/14/2013 10:47:23 PM

आगे का अध्ययन

हम नम्निलखिति लेखकों वचिार करते हैं जन्िहोंने कट्टरपंथी लीडरों पर सबसे उपयोगी प्रशक्िषण कयि। बाइबलि पहली पुस्तक जो शष्टिमंडल के काम में अनुवाद करने के लिए हैं। बाद में, हम एक के रूप में इन सात पुस्तकों का अनुवाद करने की ठोस नींव में प्रभावी नेतृत्व वकिास के लिए अनुशंसा करते हैं।

- बलानचार्ड, कें और होद्गेस, फलि. *यीशु की तरह नेतृत्व: सभी समय के महानतम आदर्श से सबक।* थोमस नेल्सन, 2006.
- क्लटिन, ज. रोबेर्ट. *एक लीडर का बनाना।* नव्प्रेस पुब्लशिगि ग्रुप, 1988.
- कालेमन, रोबेर्ट इ. *इंजीलवाद के मास्टर प्लान।* फ्लेमगि ह. रेवेल, 1970.
- हेत्तगिा, जन डी. *मेरा पालन करें: यीशु के प्यारे नेतृत्व का अनुभव।* नव्प्रेस, 1996.
- माक्सवेल, जॉन सी. *आपके भीतर के लीडर का वकिास करना।* थोमस नेल्सन पुब्लशिर्स, 1993.
- ओगने, स्टेवें अल. एंड नेबल, थोमस प. *कोचगि के माध्यम से लीडरों का सशक्तकिरण।* चुर्च स्मार्ट रेसौर्सस, 1995.
- संदेर्स, जे. ओसवाल्ड. *आध्यात्मकि नेतृत्व: हर आस्तकि के लिए उत्कृष्टता* के सद्धिांतों। मूडी पुब्लशिर्स, 2007.

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 79 10/14/2013 10:47:23 PM

TRL_Hindi_Student_Inside_Format_Indesign.indd 80 10/14/2013 10:47:23 PM